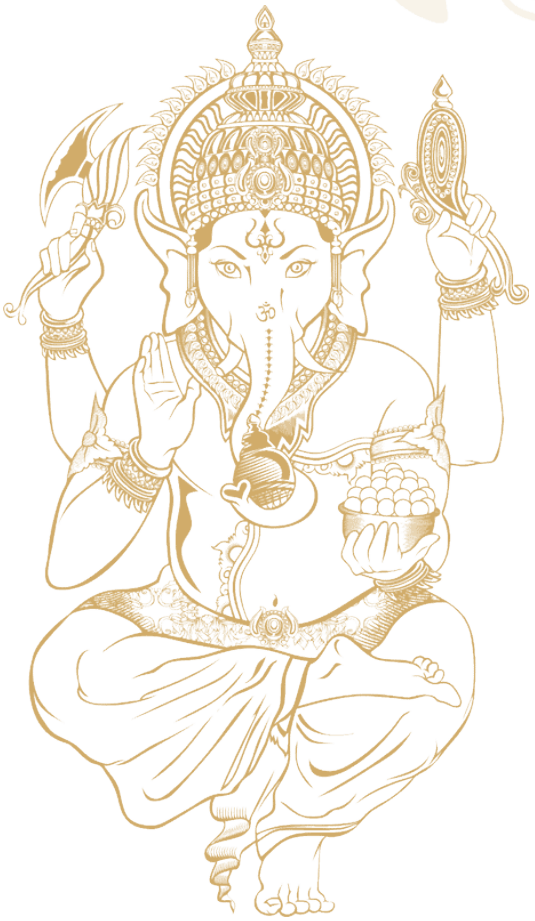

??????? ??????

13 Mar 2002

02:37 PM

Delhi

Model: Web-VarshKundli

Order No: 121571401

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
13/03/2002	जन्म तिथि	**13/03/2026**
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 14:37:00	जन्म समय	18:22:41 घंटे
घटी 20:07:54	जन्म समय(घटी)	29:32:38 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:33:50	सूर्योदय	06:33:37
18:28:00	सूर्यास्त	18:28:07
23:52:59	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:30
कर्क	लग्न	सिंह
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कुम्भ	राशि	धनु
शनि	राशि-स्वामी	गुरु
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
1	चरण	3
साध्य	योग	वरियान
चतुष्पाद	करण	वणिज
से-सेनजित	जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
सिंह	योनि	वानर
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मूषक
24	गत/तत्कालिक वर्ष	25

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
पुष्य	2	09:40:11	कर्क		
पू०भाद्रपद	3	28:43:32	कुंभ		
पू०भाद्रपद	1	21:03:37	कुंभ		
भरणी	1	14:24:27	मेष		
शतभिषा	1	08:15:38	कुंभ		
आर्द्रा	2	11:57:57	मिथु		
उ०भाद्रपद	3	12:43:15	मीन		
रोहिणी	2	15:10:13	वृष		
मृगशिरा	2	28:40:33	वृष	व	
ज्येष्ठा	4	28:40:33	वृश्चि	व	
धनिष्ठा	3	02:29:42	कुंभ		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			सिंह	28:20:28	1	उ०फाल्गुनी
सूर्य			कुंभ	28:43:32	3	पू०भाद्रपद
चंद्र			धनु	22:14:47	3	पूर्वाषाढ़ा
मंगल		अ	कुंभ	14:23:42	3	शतभिषा
बुध	व	अ	कुंभ	16:59:56	4	शतभिषा
गुरु			मिथु	20:52:19	1	पुनर्वसु
शुक्र			मीन	14:35:05	4	उ०भाद्रपद
शनि		अ	मीन	09:01:25	2	उ०भाद्रपद
राहु			कुंभ	14:40:44	3	शतभिषा
केतु			सिंह	14:40:44	1	पू०फाल्गुनी
मु			कर्क	09:40:11	2	पुष्य

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

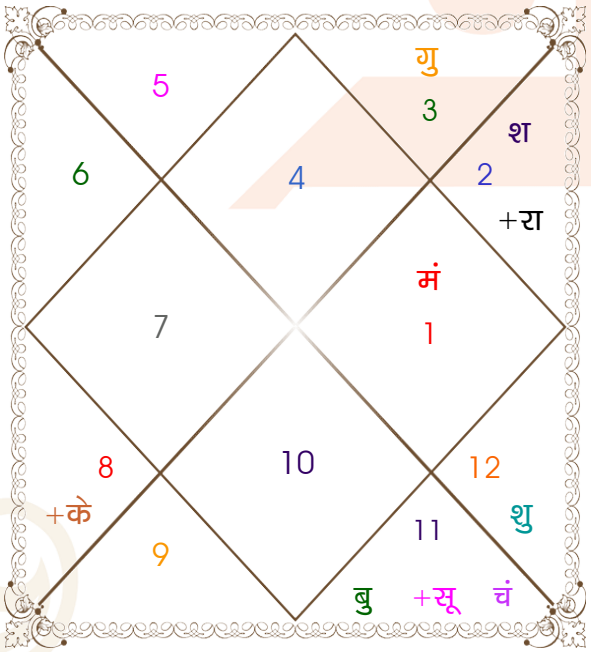

वर्ष लग्न कुंडली

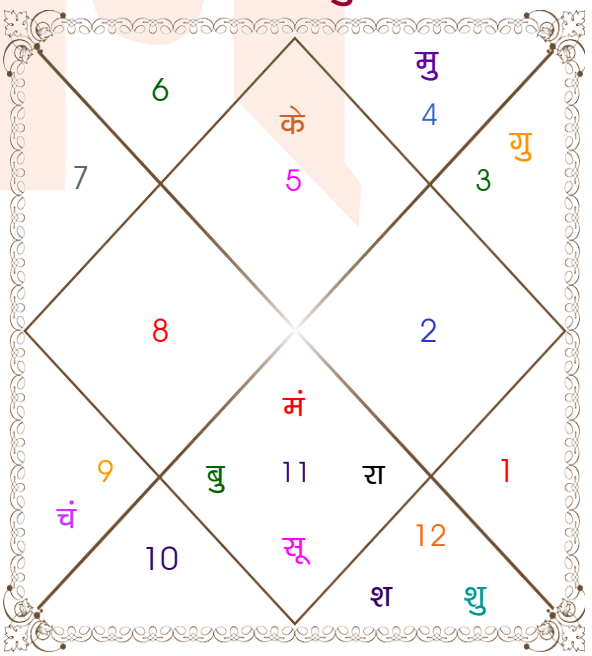

चन्द्र कुंडली

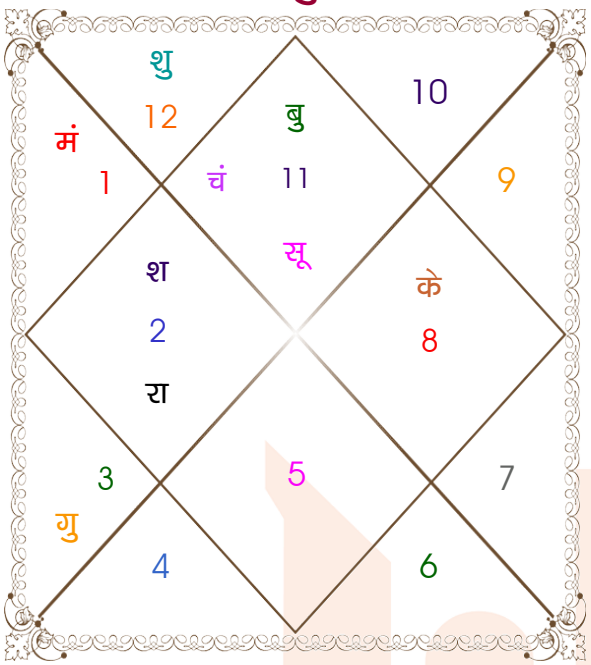

वर्ष चन्द्र कुंडली

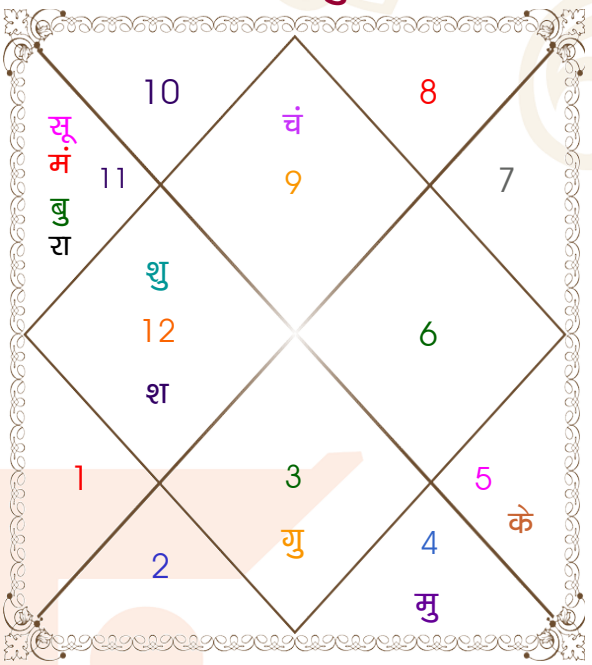

नवमांश कुंडली

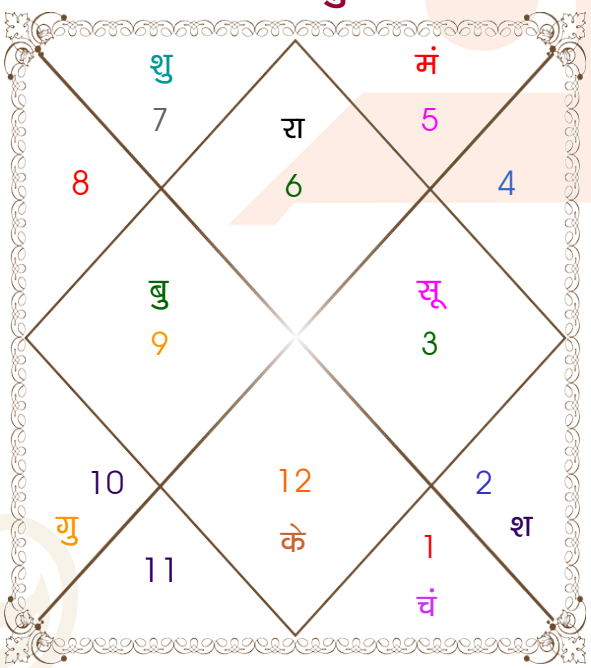

वर्ष नवमांश कुंडली

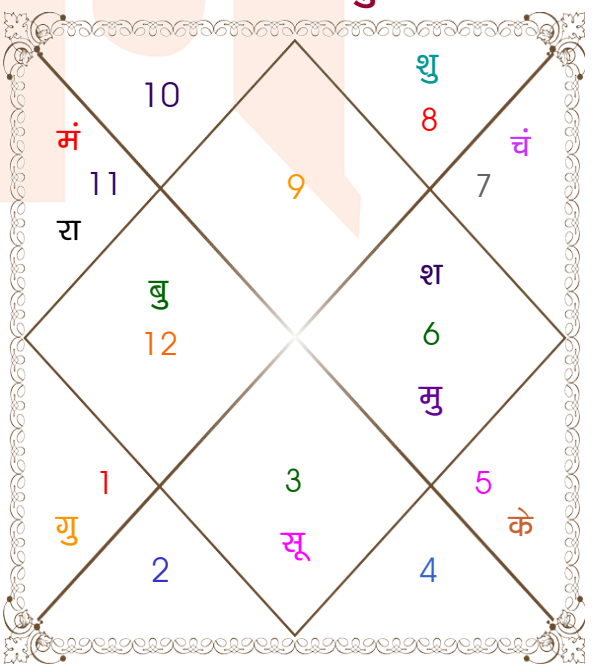

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम
चन्द्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
मंगल	शत्रु	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	सम
गुरु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	शत्रु	सम	सम	शत्रु	---	शत्रु
शनि	सम	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सिंह	कुंभ	धनु	कुंभ	कुंभ	मिथु	मीन	मीन
होरा	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मेष	कर्क	कुंभ	मिथु	मिथु	सिंह	मीन	मक
चतुर्थांश	वृष	वृश्चि	मिथु	वृष	सिंह	धनु	मिथु	मिथु
पंचमांश	तुला	तुला	मिथु	धनु	धनु	मिथु	मीन	कन्या
षष्ठांश	कन्या	कन्या	सिंह	मिथु	कर्क	सिंह	धनु	वृश्चि
सप्तमांश	कुंभ	सिंह	वृष	वृष	वृष	तुला	धनु	वृश्चि
अष्टमांश	मीन	मीन	तुला	वृश्चि	धनु	तुला	सिंह	कर्क
नवमांश	धनु	मिथु	तुला	कुंभ	मीन	मेष	वृश्चि	कन्या
दशमांश	वृष	वृश्चि	कर्क	मिथु	कर्क	धनु	मीन	कुंभ
एकादशांश	वृष	वृश्चि	कर्क	मिथु	कर्क	धनु	कर्क	वृष
द्वादशांश	कर्क	मक	सिंह	कर्क	सिंह	कुंभ	सिंह	मिथु

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	शत्रु	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
होरा	मित्र	स्व	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
द्रेष्काण	मित्र	शत्रु	शत्रु	स्व	मित्र	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	स्व	सम	सम
पंचमांश	सम	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	सम
षष्ठांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	सम
सप्तमांश	स्व	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	सम
अष्टमांश	मित्र	शत्रु	स्व	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु
नवमांश	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	सम	सम
दशमांश	शत्रु	स्व	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	स्व
एकादशांश	शत्रु	स्व	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु
द्वादशांश	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम
शुभ	4	7	3	8	8	0	2
सम	3	0	4	2	0	4	6
अशुभ	5	5	5	2	4	8	4
कुल	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	5	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	5	0
तृतीय बल	0	0	0	5	5	5	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	5	0	10	10	15	10
बल	अतिक्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	सामान्य	सामान्य	बली	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	7.50	15.00	15.00	22.50	7.50	7.50
उच्च बल	15.41	5.47	18.18	3.11	18.43	18.62	4.55
हददा बल	7.50	11.25	11.25	11.25	11.25	7.50	3.75
द्रेष्काण	7.50	2.50	2.50	10.00	7.50	2.50	10.00
नवमांश	1.25	1.25	2.50	3.75	3.75	2.50	2.50
कुल	46.66	27.97	49.43	43.11	63.43	38.62	28.30
विंशोपक	11.67	6.99	12.36	10.78	15.86	9.66	7.08
बल	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ	बली	सामान्य	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	चंद्र	6.99	अतिशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	सूर्य	11.67	अति अशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	चंद्र	6.99	अतिशुभ	गुरु
दिवापति	गुरु	15.86	शुभ	
त्रिराशिपति	सूर्य	11.67	अति अशुभ	

पात्यंश दशा

शनि		मंगल		शुक्र		बुध		गुरु	
13/03/2026		06/07/2026		12/09/2026		15/09/2026		15/10/2026	
06/07/2026		12/09/2026		15/09/2026		15/10/2026		04/12/2026	
शनि	18/04/2026	मंगल	19/07/2026	शुक्र	12/09/2026	बुध	17/09/2026	गुरु	22/10/2026
मंगल	10/05/2026	शुक्र	19/07/2026	बुध	13/09/2026	गुरु	21/09/2026	चंद्र	24/10/2026
शुक्र	11/05/2026	बुध	25/07/2026	गुरु	13/09/2026	चंद्र	23/09/2026	लग्न	04/11/2026
बुध	20/05/2026	गुरु	03/08/2026	चंद्र	13/09/2026	लग्न	29/09/2026	सूर्य	05/11/2026
गुरु	05/06/2026	चंद्र	06/08/2026	लग्न	13/09/2026	सूर्य	30/09/2026	शनि	20/11/2026
चंद्र	10/06/2026	लग्न	21/08/2026	सूर्य	14/09/2026	शनि	09/10/2026	मंगल	29/11/2026
लग्न	04/07/2026	सूर्य	22/08/2026	शनि	14/09/2026	मंगल	15/10/2026	शुक्र	30/11/2026
सूर्य	06/07/2026	शनि	12/09/2026	मंगल	15/09/2026	शुक्र	15/10/2026	बुध	04/12/2026

चंद्र		लग्न		सूर्य		शनि	
04/12/2026		21/12/2026		09/03/2027		14/03/2027	
21/12/2026		09/03/2027		14/03/2027		00/00/0000	
चंद्र	04/12/2026	लग्न	07/01/2027	सूर्य	09/03/2027	शनि	14/03/2027
लग्न	08/12/2026	सूर्य	08/01/2027	शनि	10/03/2027		00/00/0000
सूर्य	08/12/2026	शनि	01/02/2027	मंगल	11/03/2027		00/00/0000
शनि	14/12/2026	मंगल	15/02/2027	शुक्र	11/03/2027		00/00/0000
मंगल	17/12/2026	शुक्र	16/02/2027	बुध	12/03/2027		00/00/0000
शुक्र	17/12/2026	बुध	22/02/2027	गुरु	12/03/2027		00/00/0000
बुध	19/12/2026	गुरु	05/03/2027	चंद्र	12/03/2027		00/00/0000
गुरु	21/12/2026	चंद्र	09/03/2027	लग्न	14/03/2027		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

चंद्र		मंगल		राहु		गुरु		शनि	
13/03/2026		13/04/2026		04/05/2026		28/06/2026		15/08/2026	
13/04/2026		04/05/2026		28/06/2026		15/08/2026		12/10/2026	
चंद्र	16/03/2026	मंगल	14/04/2026	राहु	12/05/2026	गुरु	04/07/2026	शनि	25/08/2026
मंगल	18/03/2026	राहु	17/04/2026	गुरु	20/05/2026	शनि	12/07/2026	बुध	02/09/2026
राहु	22/03/2026	गुरु	20/04/2026	शनि	28/05/2026	बुध	19/07/2026	केतु	05/09/2026
गुरु	26/03/2026	शनि	23/04/2026	बुध	05/06/2026	केतु	22/07/2026	शुक्र	15/09/2026
शनि	31/03/2026	बुध	26/04/2026	केतु	08/06/2026	शुक्र	30/07/2026	सूर्य	18/09/2026
बुध	04/04/2026	केतु	28/04/2026	शुक्र	17/06/2026	सूर्य	01/08/2026	चंद्र	23/09/2026
केतु	06/04/2026	शुक्र	01/05/2026	सूर्य	20/06/2026	चंद्र	05/08/2026	मंगल	26/09/2026
शुक्र	11/04/2026	सूर्य	02/05/2026	चंद्र	25/06/2026	मंगल	08/08/2026	राहु	05/10/2026
सूर्य	13/04/2026	चंद्र	04/05/2026	मंगल	28/06/2026	राहु	15/08/2026	गुरु	12/10/2026

बुध		केतु		शुक्र		सूर्य		सूर्य	
12/10/2026		03/12/2026		24/12/2026		23/02/2027		23/02/2027	
03/12/2026		24/12/2026		23/02/2027		14/03/2027		14/03/2027	
बुध	20/10/2026	केतु	04/12/2026	शुक्र	04/01/2027	सूर्य	24/02/2027	सूर्य	24/02/2027
केतु	23/10/2026	शुक्र	08/12/2026	सूर्य	07/01/2027	चंद्र	26/02/2027	चंद्र	26/02/2027
शुक्र	31/10/2026	सूर्य	09/12/2026	चंद्र	12/01/2027	मंगल	27/02/2027	मंगल	27/02/2027
सूर्य	03/11/2026	चंद्र	11/12/2026	मंगल	15/01/2027	राहु	01/03/2027	राहु	01/03/2027
चंद्र	07/11/2026	मंगल	12/12/2026	राहु	24/01/2027	गुरु	04/03/2027	गुरु	04/03/2027
मंगल	10/11/2026	राहु	15/12/2026	गुरु	01/02/2027	शनि	07/03/2027	शनि	07/03/2027
राहु	18/11/2026	गुरु	18/12/2026	शनि	11/02/2027	बुध	09/03/2027	बुध	09/03/2027
गुरु	25/11/2026	शनि	21/12/2026	बुध	20/02/2027	केतु	10/03/2027	केतु	10/03/2027
शनि	03/12/2026	बुध	24/12/2026	केतु	23/02/2027	शुक्र	14/03/2027	शुक्र	14/03/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शुक्र - शनि	
06/10/2025 19:22	
07/04/2026 22:32	
शनि	04/11/2025 19:16
बुध	30/11/2025 17:55
केतु	11/12/2025 10:18
शुक्र	10/01/2026 22:50
सूर्य	20/01/2026 02:35
चंद्र	04/02/2026 08:51
मंगल	15/02/2026 01:14
राहु	14/03/2026 12:31
गुरु	07/04/2026 22:32

शनि - शुक्र - बुध	
07/04/2026 22:32	
18/09/2026 19:04	
बुध	01/05/2026 03:39
केतु	10/05/2026 17:02
शुक्र	07/06/2026 00:28
सूर्य	15/06/2026 05:05
चंद्र	28/06/2026 20:48
मंगल	08/07/2026 10:12
राहु	02/08/2026 00:04
गुरु	23/08/2026 20:25
शनि	18/09/2026 19:04

शनि - शुक्र - केतु	
18/09/2026 19:04	
25/11/2026 06:20	
केतु	22/09/2026 17:31
शुक्र	03/10/2026 23:24
सूर्य	07/10/2026 08:22
चंद्र	12/10/2026 23:18
मंगल	16/10/2026 21:45
राहु	27/10/2026 00:39
गुरु	05/11/2026 00:33
शनि	15/11/2026 16:56
बुध	25/11/2026 06:20

शनि - सूर्य - सूर्य	
25/11/2026 06:20	
12/12/2026 14:43	
सूर्य	26/11/2026 03:09
चंद्र	27/11/2026 13:51
मंगल	28/11/2026 14:09
राहु	01/12/2026 04:36
गुरु	03/12/2026 12:07
शनि	06/12/2026 06:03
बुध	08/12/2026 17:02
केतु	09/12/2026 17:19
शुक्र	12/12/2026 14:43

शनि - सूर्य - चंद्र	
12/12/2026 14:43	
10/01/2027 12:42	
चंद्र	15/12/2026 00:33
मंगल	16/12/2026 17:02
राहु	21/12/2026 01:08
गुरु	24/12/2026 21:40
शनि	29/12/2026 11:32
बुध	02/01/2027 13:51
केतु	04/01/2027 06:20
शुक्र	09/01/2027 02:00
सूर्य	10/01/2027 12:42

शनि - सूर्य - मंगल	
10/01/2027 12:42	
30/01/2027 18:29	
मंगल	11/01/2027 17:02
राहु	14/01/2027 17:54
गुरु	17/01/2027 10:40
शनि	20/01/2027 15:35
बुध	23/01/2027 12:24
केतु	24/01/2027 16:45
शुक्र	28/01/2027 01:42
सूर्य	29/01/2027 02:00
चंद्र	30/01/2027 18:29

शनि - सूर्य - राहु	
30/01/2027 18:29	
23/03/2027 19:38	
राहु	07/02/2027 13:51
गुरु	14/02/2027 12:24
शनि	22/02/2027 18:11
बुध	02/03/2027 03:09
केतु	05/03/2027 04:01
शुक्र	13/03/2027 20:13
सूर्य	16/03/2027 10:40
चंद्र	20/03/2027 18:46
मंगल	23/03/2027 19:38

शनि - सूर्य - गुरु	
23/03/2027 19:38	
09/05/2027 02:00	
गुरु	29/03/2027 23:41
शनि	06/04/2027 07:29
बुध	12/04/2027 20:47
केतु	15/04/2027 13:34
शुक्र	23/04/2027 06:37
सूर्य	25/04/2027 14:08
चंद्र	29/04/2027 10:40
मंगल	02/05/2027 03:26
राहु	09/05/2027 02:00

शनि - सूर्य - शनि	
09/05/2027 02:00	
03/07/2027 00:33	
शनि	17/05/2027 18:46
बुध	25/05/2027 13:33
केतु	28/05/2027 18:28
शुक्र	06/06/2027 22:14
सूर्य	09/06/2027 16:10
चंद्र	14/06/2027 06:02
मंगल	17/06/2027 10:57
राहु	25/06/2027 16:44
गुरु	03/07/2027 00:33

शनि - सूर्य - बुध	
03/07/2027 00:33	
21/08/2027 04:18	
बुध	09/07/2027 23:41
केतु	12/07/2027 20:30
शुक्र	21/07/2027 01:07
सूर्य	23/07/2027 12:07
चंद्र	27/07/2027 14:25
मंगल	30/07/2027 11:15
राहु	06/08/2027 20:12
गुरु	13/08/2027 09:30
शनि	21/08/2027 04:18

शनि - सूर्य - केतु	
21/08/2027 04:18	
10/09/2027 10:05	
केतु	22/08/2027 08:38
शुक्र	25/08/2027 17:36
सूर्य	26/08/2027 17:54
चंद्र	28/08/2027 10:22
मंगल	29/08/2027 14:43
राहु	01/09/2027 15:35
गुरु	04/09/2027 08:21
शनि	07/09/2027 13:16
बुध	10/09/2027 10:05

शनि - सूर्य - शुक्र	
10/09/2027 10:05	
07/11/2027 06:02	
शुक्र	20/09/2027 01:25
सूर्य	22/09/2027 22:48
चंद्र	27/09/2027 18:28
मंगल	01/10/2027 03:26
राहु	09/10/2027 19:38
गुरु	17/10/2027 12:41
शनि	26/10/2027 16:27
बुध	03/11/2027 21:04
केतु	07/11/2027 06:02

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में कोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट से आप समय समय पर परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मन में भी असन्तुष्टि तथा अप्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष आपका व्यय अधिक होगा तथा लाभ अल्प मात्रा में रहेगा।इस समय अन्यंत्र भी धनहानि की संभावना रहेगी अतः आर्थिक स्थिति में विषमता रहेगी तथा यदा कदा समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय विशेष आस्था नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों के प्रति आपकी उपेक्षा बनी रहेगी। इस वर्ष में आप सद्मित्रों का साथ अल्प ही करेंगे तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपकी प्रीति बढ़ेगी। अपने स्वजनों तथा बन्धुवर्ग से भी आपके मन में विशेष स्नेह तथा सहयोग के भाव की अल्पता रहेगी जिससे इनसे भी आपको अल्प सहयोग एवं सुख प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ नेता तथा उच्चाधिकारी असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे जिससे पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार आदि में भी इस समय विशेष लाभ नहीं होंगा अपितु हानि की ही संभावनाएं रहेंगी।अतः इस समय कोई नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा अपने सहयोगी या साझेदार से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी हानि या परेशानी भी हो सकती है। अतः संयम एवं शान्तिपूर्वक समय को व्यतीत करें।

मासिक फलादेश

प्रथम मास

13/03/2026 18:22:41 से 13/04/2026 02:20:30 तक

इस मास में आपको शुभाशुभ फल प्राप्त होंगे। इसके प्रभाव से आपका इस समय व्यय अधिक होगा एवं दुष्ट मनुष्यों की आपको संगति प्राप्त होगी। सामान्य रूप से आप शारीरिक अस्वस्थता की भी अनुभूति करेंगे। साथ ही अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से भी अल्प मात्रा में ही कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में उपेक्षा की भावना उत्पन्न होगी तथा अन्य प्रकार से धन हानि भी हो सकती है। साथ ही मित्रों एवं संबन्धियों से सम्बन्धों में तनाव उत्पन्न हो सकता है। इस समय आपकी नौकरी या व्यापार में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा शत्रुओं से भय एवं चिन्ता नित्य बनी रहेगी। साथ ही जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी तथा यदाकदा आप मन में बैचेनी भी अनुभव करेंगे।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे ।अतः आप पुत्र एवं स्त्री का सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है।

द्वितीय मास

13/04/2026 02:20:30 से 13/05/2026 22:40:25 तक

यह मास आपके लिए काफी अशुभ एवं परेशानी उत्पन्न करने वाला होगा। इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं की ओर से भी नित्य चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। आपके उत्साह में भी इस मास अल्पता रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा ।जिससे आर्थिक परेशानी हो सकती है ।साथ ही आप शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे तथा मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। स्वबन्धुजनों से भी आपके सम्बन्धों में मधुरता का अभाव रहेगा एवं तनाव का भाव रहेगा जिससे मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। अतः मानसिक तनाव से आप ग्रस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से विवाद या संघर्ष की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है अतः सावधानी पूर्वक समय अनुसार चलने का प्रयत्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस मास में अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है ।अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।

तृतीय मास

13/05/2026 22:40:25 से 14/06/2026 04:52:30 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। अतः शत्रु पक्ष से आप चिन्तित रहेंगे तथा ये आपके लिए समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही आपके घर में चोरी भी हो सकती है। अतः चोरों से आपको सावधान रहना चाहिए। इस महीने में आपका अनावश्यक धन का व्यय होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक रूप से कष्ट की अनुभूति करेंगे फलतः आपकी शारीरिक शक्ति का ह्रास होगा। साथ ही इस महीने आप घर से दूर किसी यात्रा पर भी जा सकते हैं। सांसारिक कार्यों में भी आपको कष्ट होगा तथा मुकद्दमे आदि में भी आपके धन का व्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी एसे कार्य को भी आप सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी मान प्रतिष्ठा को आघात पहुचेगा। इस समय अग्नि के द्वारा भी आप किसी प्रकार से हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

चतुर्थ मास

14/06/2026 04:52:30 से 15/07/2026 15:36:01 तक

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्य मान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पंचम् मास
15/07/2026 15:36:01 से 16/08/2026 00:09:28 तक

इस मास में आप अधिकांश शुभ फल अर्जित करेंगे परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेगा। साथ ही इस महीने में आप किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकते है। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी तरफ से आपको कोई चिन्ता नहीं रहेगी साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी एवं देवता तथा ब्राहमणों का आप श्रद्धा पूर्वक पूजन तथा सेवा करेंगे। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में इस समय में पूर्ण वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा लाभ दायक यात्रा का भी योग बनेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्राप्त होगा ।मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। इस समय आप समाज में सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

परन्तु इस मास में आप गर्मी या पित्तादि से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार का भय भी रहेगा अतः सावधानी तथा सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास
16/08/2026 00:09:28 से 16/09/2026 00:30:31 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विभिन्न प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए भी आप इस मास में कार्य करते रहेंगे। इस समय स्वास्थ्य भी सामान्य ही रहेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे जिससे समाज में आपको पूर्ण ख्याति प्राप्त होगी। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी। जिससे आप मानसिक सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी होंगे।अतः आप गर्मी या पित्तादि से उत्पन्न दोषों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही किसी प्रकार से रूधिर विकार की संभावना भी हो सकती है अतः शारीरिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखें तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे कष्ट अल्प मात्रा में हों।

सप्तम् मास
16/09/2026 00:30:31 से 16/10/2026 13:01:13 तक

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे।साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
16/10/2026 13:01:13 से 15/11/2026 13:21:11 तक

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।आपके सांसरिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

नवम् मास
15/11/2026 13:21:11 से 15/12/2026 04:20:43 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्य मान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास
15/12/2026 04:20:43 से 13/01/2027 15:08:44 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज से आप यथोचित आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान मिलेगा एवं उनसे आप वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे तथा आपसे वे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग की आपको प्राप्ति होगी। साथ ही आपके अधिकांश शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। देवता एवं ब्राहमणों में भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। सन्तति पक्ष से भी आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे आप वांछित सुख भी प्राप्त करेंगे। साथ ही बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्ति आपके पूर्व संकल्प भी इस मास में पूर्ण होंगे जिससे मानसिक रूप से भी शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा धर्मानुपालन में भी आप तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं।

एकादश मास
13/01/2027 15:08:44 से 12/02/2027 03:54:20 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही दुश्मन भी बलवान रहेंगे अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता रहेगी तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या कोई कार्य छूट सकता है या बंद भी हो सकता है। साथ ही समाज में अन्य जनों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी न्यूनाधिक सहयोग मिलता रहेगा। इसके साथ ही इस समय आप अपनी बुद्धिमता से धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में सफलता अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास
12/02/2027 03:54:20 से 14/03/2027 00:19:36 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे।साथ ही प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। आपके घर में इस मास में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी हो सकता है। सन्तति पक्ष से आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी अनन्य श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। समाज में सर्वत्र इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाग्योन्नति संबधी शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे।आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी इस मास में योग बनेगा ।साथ ही सरकारी तंत्र से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा अन्य कारणों से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी।अतः शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा अपने कार्य कलापों को बुद्धिमता से सम्पन्न करें।